रेशे से वस्त्र तक

परिचय

वस्त्र हमारी मूलभूत आवश्यकताओं में से एक हैं। वस्त्र **रेशों (Fibres)** से बनाए जाते हैं। रेशों को कातकर **धागा (Yarn)** बनाया जाता है और धागे से बुनाई या बुनकर **कपड़ा (Fabric)** तैयार किया जाता है। इस अध्याय में रेशों के प्रकार, धागा और कपड़ा बनाने की प्रक्रिया तथा प्राकृतिक रेशों के स्रोतों का अध्ययन किया गया है।

रेशे (Fibres)

रेशे क्या हैं?

रेशे पतले, बाल जैसे तंतु होते हैं जिनसे धागा और कपड़ा बनाया जाता है।

रेशे मुख्यतः दो प्रकार के होते हैं—

- **प्राकृतिक रेशे**
- **कृत्रिम (सिंथेटिक) रेशे**

प्राकृतिक रेशे पौधों और जानवरों से प्राप्त होते हैं।

प्राकृतिक रेशों के प्रकार

पौधों एवं जानवरों से प्राप्त रेशे

पौधों से प्राप्त रेशे:

- कपास
- जूट
- सन (Flax)

जानवरों से प्राप्त रेशे:

- ऊन (भेड़ से)
- रेशम (रेशम के कीड़े से)

कपास का रेशा

स्रोत एवं उपयोग

कपास **कपास के पौधे** से प्राप्त होती है।

कपास के रेशों को बीजों से अलग करने की प्रक्रिया को **जिनिंग (Ginning)** कहते हैं।

कपास का उपयोग—

- कपड़े
- चादरें
- तौलिये
- परदे

बनाने में किया जाता है।

कपास के वस्त्र मुलायम होते हैं और पसीना आसानी से सोख लेते हैं।

जूट का रेशा

स्रोत एवं उपयोग

जूट **जूट के पौधे के तने** से प्राप्त होता है।

जूट के रेशों को अलग करने की प्रक्रिया को **रेटिंग (Retting)** कहते हैं।

जूट का उपयोग—

- बोरे
- रस्सियाँ
- चटाइयाँ
- थैले

बनाने में किया जाता है।

यह मजबूत और जैव-अवक्रमणीय (Biodegradable) रेशा है।

धागा और कपड़ा

कपड़ा बनाने की प्रक्रिया

रेशों को मरोड़कर **धागा** बनाया जाता है। इस प्रक्रिया को **कताई (Spinning)** कहते हैं।

धागे से कपड़ा दो तरीकों से बनाया जाता है—

- **बुनाई (Weaving):** दो धागों के समूहों को एक-दूसरे के ऊपर-नीचे बुनकर।
- **बुनकर (Knitting):** एक ही धागे से फंदे बनाकर।

रेशों का महत्व

वस्त्रों के उपयोग

रेशों से बने कपड़ों का उपयोग—

- वस्त्र बनाने में।
- कंबल बनाने में।
- परदे बनाने में।
- कालीन बनाने में।
- थैले बनाने में।

मौसम और आवश्यकता के अनुसार अलग-अलग प्रकार के कपड़ों का उपयोग किया जाता है।

वस्त्रों की देखभाल

सही रख-रखाव

कपड़ों की देखभाल के लिए—

- उन्हें नियमित रूप से धोएँ।
- अच्छी तरह सुखाएँ।
- आवश्यकता अनुसार इस्त्री करें।
- साफ और सूखी जगह पर रखें।
- ऊनी कपड़ों को कीड़ों से बचाकर रखें।

मुख्य बिंदु

- रेशों से धागा और धागे से कपड़ा बनाया जाता है।
- प्राकृतिक रेशे पौधों और जानवरों से प्राप्त होते हैं।
- कपास कपास के पौधे से तथा जूट जूट के पौधे से प्राप्त होता है।
- जिनिंग द्वारा कपास के रेशे बीजों से अलग किए जाते हैं।
- रेटिंग द्वारा जूट के रेशे तने से अलग किए जाते हैं।
- कपड़ा बुनाई या बुनकर विधि से बनाया जाता है।
- कपड़ों की उचित देखभाल से उनकी आयु बढ़ती है।

अध्याय सारांश

इस अध्याय में हमने रेशों से कपड़ा बनने की पूरी प्रक्रिया का अध्ययन किया। प्राकृतिक रेशे जैसे कपास और जूट पौधों से तथा ऊन और रेशम जानवरों से प्राप्त होते हैं। रेशों को कातकर धागा बनाया जाता है और धागे को बुनाई या बुनकर विधि से कपड़े में बदला जाता है। उचित देखभाल से वस्त्र लंबे समय तक सुरक्षित और उपयोगी बने रहते हैं।